महाकाल सवारी मार्ग पर एक और नवाचार, मकान दुकान पर एक जैसे रंगों की बहार

- महाकाल सवारी मार्ग का विस्तृत बनाया जा रहा मास्टर प्लान
- साइन बोर्ड से लेकर घरों तक का कलर एक जैसा रखने की योजना
- 83.78 करोड़ों की लागत से विस्तृत मास्टर प्लान हो रहा तैयार

नवभारत न्यूज

उज्जैन. मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का गृह नगर अब नवाचारों के लिए भी पहचाने जाने लगा है, महाकाल की सवारी में नए-नए प्रकल्पों की शुरुआत की जा रही है, इस बार सवारी में जिस प्रकार से सेना का बैंड आएगा ,ऐसे में यह भी योजना तैयार की जा रही है की सवारी मार्ग में आने वाले सारे मकान एक रंग में रंगे में हो व दुकानों के बाहर लगे बोर्ड भी एकरूपता में हों.

स्मार्ट सिटी और नगर निगम द्वारा एक प्रेजेंटेशन देखा गया है, जिसमें पूरी योजना विस्तृत तौर पर बनाई जा रही है, सब कुछ ठीक रहा तो महाकाल सवारी मार्ग का विहंगम दृश्य श्रद्धालुओं और शहर वासियों को

लुभायेगा, इसके लिए मंगलवार को एक अहम बैठक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के बीच हुई. उज्जैन में महाकाल सवारी मार्ग पर हेरिटेज स्ट्रीट विकास योजना तैयार की जा रही है. महापौर मुकेश टटवाल की उपस्थिति में स्मार्ट सिटी कार्यालय पर समीक्षा बैठक आयोजित की गई.

मास्टर प्लान 2035 पर मंथन

महाकाल की नगरी में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पूरा एक मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है,उसके अनुसार योजना की अनुमानित लागत 83.78 करोड़ से सड़कों का चौड़ीकरण, भूमिगत सर्विस (पानी, सिविल, नाली, बिजली सहित) पैदल यात्रियों के लिए अनुकूल सड़क, पैदल मार्गों का पूर्ण निर्माण, रामघाट तथा महाकाल चौराहे पर सवारी द्वार एवं रामघाट पर पूजा स्थल का निर्माण, मार्ग में ऐतिहासिक धार्मिक स्मारकों संरचनाओं में सुधार, सड़क किनारे दुकानों और संपत्तियों का समरूप, महाकाल सवारी की सांस्कृतिक विरासत को दर्शाने वाली मूर्तियां, स्मार्ट एलइडी लाइट के साथ हेरिटेज स्टाइल में बैठने की व्यवस्था के साथ सड़कों का निर्माण, रेलिंग एवं पार्किंग व्यवस्था, फ्रेश रूम, सूचना बोर्ड, मार्ग संकेतक, पीए सिस्टम एवं निगरानी प्रणाली के साथ ही परियोजना क्षेत्र में अन्य निर्माण के लिए विनियामक दिशा निर्देश की सुविधा महाकाल सवारी मार्ग में होगी.

सवारी मार्ग पर यह सुविधा रहे

महापौर मुकेश टटवाल द्वारा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि महाकाल सवारी मार्ग विकास योजना के अंतर्गत जो कार्य योजना बनाई गई उसपर शीघ्र ही शासन से स्वीकृति प्राप्त की जाए, योजना में सवारी मार्ग के भवनों के एक रंग में होने, दुकानें के बोर्ड एक समान हो, मार्ग पर वृद्ध एवं दिव्यागजन हेतु स्थान का निर्धारण सहित अन्य आवश्यक बातों को सम्मिलित करने हेतु कहा गया.

ये रहे मौजूद

बैठक में एमआईसी सदस्य शिवेंद्र तिवारी, सत्यनारायण चैहान, कैलाश प्रजापत, प्रकाश शर्मा, रजत मेहता, अपर आयुक्त स्मार्ट सिटी सीईओ संदीप शिवा, संजय शाक्य, कार्यपालन यंत्री साहिल मैदावाला एवं पलाश शर्मा आदि मौजूद रहे.

उसूलों पर आंच आए तो टकराना जरूरी

पटवारी ने सिंधिया, सरकार और मंत्रियों पर साधा निशाना, गिरफ्तारी देने अशोकनगर पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष

अशोकनगर, 8 जून. मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मंगलवार को अशोक नगर एक एफआईआर मामले में अपनी गिरफ्तारी करने पहुंचे.

गिरफ्तारी से पहले पटवारी ने सभा को संबोधित करते हुए एक शेर पढ़ा और वाहवाही लूटी. यह शेर उन्होंने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया पर तंज कसते हुए पढ़ा. उन्होंने कहा कि सिंधिया ने यह शायरी घमंड से की थी. पटवारी ने कहा, उसूलों पर आंच आए तो टकराना जरूरी है और जिंदा हैं तो जिंदा रहना

जरूरी है, जिंदा हैं तो जिंदा नजर आना जरूरी है. उन्होंने कहा था कि कांग्रेस अध्यक्ष ने विघटन पैदा करने का काम किया. जीतू पटवारी ने तंज कसते हुए कहा कि आप यहां से सांसद हैं.

यहां की जनता के सेवक हैं. एक लोधी समाज का बेटा दर बदर घूमता रहा. कलेक्टर के पास, एसपी के पास गुहार लगाता रहा था. किसी से उसकी एक नहीं सुनी. मैंने उससे पूछकर उसका वीडियो वायरल किया. मैंने बालिग बच्चे से पूछकर वीडियो डाला था. इस दौरान उन्होंने उमाभारती और प्रह्लाद पटेल को भी निशाने पर लिया.

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पटवारी ने कहा कि एक व्यक्ति जिसे मानव मल खिलाया गया था, उसने कई जगह शिकायत की मगर प्रशासन और पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की. मजबूर वह व्यक्ति मुलाकात करने अशोकनगर से ओरछा पहुंचा और उसने हकीकत बयान की. पटवारी ने कहा कि राजनीतिक जरूरत के लिए समाज की सियासत करना उमा भारती, प्रहलाद पटेल की पहचान है. लेकिन, ये तब चुप क्यों रहते हैं, जब इनके समाज बंधु संकट में रहते हैं.

पुलिस ने तुरंत रिहा भी कर दिया

प्रदेश कांग्रेस ने मंगलवार को अशोकनगर में न्याय सत्याग्रह किया. प्रदेशभर से नेता और कार्यकर्ता यहां पार्टी अध्यक्ष जीतू पटवारी पर दर्ज एफआईआर के विरोध में गिरफ्तारी देने पहुंचे. विधायकों और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के काफिले को पुलिस ने जगह-जगह चेकिंग के लिए रोका. पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने कहा कि हमें रोकने के लिए 8 जिलों की पुलिस बुलाई गई. पटवारी ने कहा कि कार्यकर्ता का जहां पसीना गिरेगा, वहां मेरा, कांग्रेस के नेताओं के खून की अंतिम बूंद भरी गिरेगी. कार्यक्रम के अंत में एसडीओपी विवेक शर्मा ने अशोक नगर में मंच से जीतू पटवारी सहित न्याय सत्याग्रह में उपस्थित सभी लोगों को गिरफ्तार किया और तत्काल रिहा भी कर दिया गया.

सड़क किनारे मिला विधायक प्रतिनिधि धाकड़ का शव

- हत्या की आशंका

नवभारत न्यूज

रतलाम/ आलोट. आलोट विधायक के प्रतिनिधि का सड़क किनारे रात को शव मिला. सूचना पर मंगलवार सुबह घटनास्थल पर डॉग स्क्वायड की टीम भी पहुंची. पुलिस के आला अधिकारी पहुंचे. जहां पर कन्हैयालाल धाकड़ की मोटरसाइकिल व चप्पल पड़ी हुई थी. एसपी ने एसआईटी का गठन किया है.

जानकारी अनुसार सरसी निवासी कन्हैयालाल धाकड़ जो कि आलोट विधायक डॉक्टर चिंतामणि मालवीय के विधायक प्रतिनिधि हैं, सोमवार की रात को सरसी और केरवासा के बीच सड़क पर मोटरसाइकिल गिरी हुई तथा उनका शव मिला. बेटे अजय धाकड़ ने हत्या की आशंका जताई है. अजय ने

बताया कि करीब 8-10 दिन पूर्व सरकारी जमीन को लेकर विनोद खारोल और शहजाद से विवाद हुआ था. बीती शाम पापा किसी मित्र के जन्मदिन के आयोजन में शामिल होने के लिए उपलई गांव गए थे. रात को करीब 9.45 बजे फोन आया था कि गेहूं की ट्राली भरकर रखना. सुबह रतलाम मंडी जाना है. इसके तकरीबन आधे घंटे बाद ही दुर्घटना की सूचना मिली.

एक नजर में

रियल एस्टेट दिग्गज बनाएंगे शहरी विकास का ब्लूप्रिंट

भोपाल. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुरूप मध्यप्रदेश के शहरों में इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित हो रहा है. इससे बढ़ती नगरीय जनसंख्या की आवश्यकताओं की पूर्ति होगी. इसे साकार करने के लिए मध्यप्रदेश ग्रोथ कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है. नेक्स्ट होराइजन बिल्डिंग सिटीज ऑफ टुमॉरो थीम पर केन्द्रित कॉन्क्लेव में मध्यप्रदेश के शहरी विकास और निवेश पर देश की रियल एस्टेट सेक्टर के दिग्गज विकसित मध्यप्रदेश 2047 के लिए शहरी विकास के ब्लूप्रिंट पर चर्चा करेंगे.

रेल मंत्री वैष्णव के पिता के निधन पर शोक जताया

भोपाल. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के पिता दाऊ लाल वैष्णव के निधन पर गहन दुःख व्यक्त किया है. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वैष्णव परिवार के प्रति शोक संवेदनाएं व्यक्त की हैं. उन्होंने बाबा महाकाल से दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने और शोकाकुल परिजन को यह दुःख सहन करने का संबल प्रदान करने की प्रार्थना की है. उल्लेखनीय है कि स्व. वैष्णव बीते कुछ दिनों से गंभीर रूप से अस्वस्थ थे.

गर्भवती को कंधे पर लाद कर पहुंचे अस्पताल

घटना ने खोल दी सरकारी दावों की पोल

जबलपुर, 8 जुलाई. जबलपुर में बारिश इन दिनों लोगों पर खूब सितम ढा रही है, लेकिन मानसून की ये बरसात सरकारी बदइंतजामी की पोल भी खोल रही है. ताजा मामला जबलपुर के नजदीक दियोसा गांव का है, जहां खस्ताहाल सड़कों के कारण गांव की गर्भवती महिलाओं को भी परेशानी झेलनी पड़ रही है.

अभी महज कुछ ही दिनों की बारिश से शहर को जोड़ने वाली इस रोड के परखच्चे उड़ गए. रोड पूरी तरह बदहाल हो गई. हालात ये हैं

कि अब रोड की जगह गड्ढे ही गड्ढे नजर आ रहे हैं. सरकारी दावों की पोल उस समय खुल गई जब एक गर्भवती महिला को जननी एक्सप्रेस से शहर ले जाने के लिए पूरे गांव को भारी मशक्कत करनी पड़ी. लेकिन बदहाल सड़क के चलते जननी एक्सप्रेस तक पहुंच ही नहीं सकी. लिहाजा थक हार कर गांव वालों ने स्थानीय डॉक्टर की मदद से स्ट्रेचर का इंतजाम किया. महिला को कंधे पर टांग पैदल ही अस्पताल के लिए निकल पड़े. दरअसल शिखा चढ़ार नाम की महिला को प्रसव पीड़ा होना शुरू होने के बाद गांव वालों ने मामले की सूचना अस्पताल को दी.

महिला को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा

लिहाजा जननी एक्सप्रेस मुख्य मार्ग पर जाकर ही रुक गई. जिसके बाद वियोसा गांव के वाशिंदे कुछ दूर तक शिखा चढ़ार को पैदल और उसके बाद स्ट्रेचर पर रखकर जननी एक्सप्रेस तक लेकर आए. इस दौरान महिला को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा. कड़ी मेहनत के बाद जननी एक्सप्रेस से महिला को अस्पताल भेजा जा सका. गांव के लोगों का कहना है की तहसील मुख्यालय से महज 5 किलोमीटर दूर इस गांव में पहुंच मार्ग नहीं है और बारिश में हाल भी बुरे हो जाते हैं. वहीं जननी एक्सप्रेस में आए डॉक्टर का भी कहना है कि उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ा.

90 करोड़ से चौड़ा होगा बीआरटीएस कॉरिडोर

- प्राथमिक रिपोर्ट तैयार, स्मार्ट सिटी फंड से होगा काम

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर की बीआरटीएस सड़क को तोड़कर चौड़ी करने की प्राथमिक रिपोर्ट तैयार हो गई है. सड़क चौड़ीकरण पर 90 करोड़ लागत आएगी. इसके तहत नगर निगम स्ट्रॉर्म वॉटर लाइन, साइकिल ट्रैक और बिजली खंबे और हाईटेंशन लाइन शिफ्टिंग का काम भी किया जाएगा. उक्त कार्य स्मार्ट सिटी फंड से किया जाएगा, इसकी स्मार्ट सिटी अध्यक्ष ने मंजूरी दे दी है.

नगर निगम बीआरटीएस एबी

रोड चौड़ीकरण कार्य जल्दी ही शुरू कर देगा. उक्त सड़क को चौड़ा करने के लिए नगर निगम को प्राथमिक रिपोर्ट मिल गई है. चौड़ा करने की डीपीआर बनाने का काम शुरू हो गया है. प्राथमिक रिपोर्ट में एबी रोड को चौड़ा करने में बाधक हाईटेंशन लाइन, बिजली खंबे, साइकिल ट्रैक और स्ट्रार्म वॉटर लाइन शिफ्ट करेगा. इसके बाद सड़क दोनों ओर से 15 से 20 फीट का चौड़ी होगी. सड़क चौड़ीकरण कार्य पर नगर निगम को090 करोड़ रुपए की लागत आएगी. यह पैसा स्मार्ट सिटी फंड से लिया जाएगा. उक्त खर्च की स्मार्ट सिटी के अध्यक्ष कलेक्टर आशीष सिंह की मंजूरी दे दी है.

डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश

निगम आयुक्त शिवम वर्मा ने बताया कि प्राथमिक रिपोर्ट मिल गई है और उसमे 90 करोड़ खर्च आने का अनुमान है. सड़क चौड़ीकरण की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने के आदेश दे दिए है. रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कारवाई होगी.

मछुआरों के लिए बनेगा कंमाड कंट्रोल रूम

आपात स्थिति में मछुआरों को मिलेगी शीघ्र सहायता

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 8 जुलाई. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मछुआरों की सुरक्षा और समृद्धि सरकार की प्राथमिकता है. उनकी सुरक्षा की दिशा में जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं.

इसी कड़ी में कंट्रोल कमांड सेंटर और ट्रांजिट हाउस जैसी पहल की जा रही हैं. पायलट प्रोजेक्ट के तहत देश के सबसे बड़े जलाशयों में शामिल इंदिरा सागर में ड्रोन, जीपीएस और सीसीटीवी युक्त आधुनिक कमांड कंट्रोल रूम की स्थापना की जा रही है.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आपात स्थिति में इस प्रणाली से मछुआरों को शीघ्र सहायता पहुंचाई जा सकेगी. ये पहल ब्रीडिंग ग्राउंड के चिन्हांकन के साथ मत्स्य आखेट पर निगरानी को और ज़्यादा आसान, सुलभ और प्रभावशाली बनाएगी. कमांड कंट्रोल रूम की मदद से मुख्यालय स्तर से ही 24गुणा 7 निगरानी संभव हो सकेगी. ड्रोन के माध्यम से जल क्षेत्र की लाइव मॉनिटरिंग और जीपीएस सिस्टम से नावों की ट्रैकिंग की जा सकेगी और आपात स्थिति में मछुआरों को तुरंत सहायता उपलब्ध कराई जा सकेगी.

भोपाल में बनेगा केवट प्रशिक्षण संस्थान

राज्य में मॉडर्न एक्वाकल्चर को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक अहम पहल की जा रही है. केन्द्र सरकार की फिशरीज इन्फ्रास्ट्रक्चर डिवेलपमेंट फंड योजना के तहत भोपाल में 5 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक केवट प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना की जा रही है. इस संस्थान में केज कल्चर, बायोफ्लॉक, रिसर्कुलेटरी एक्वा कल्चर सिस्टम, मछलियों की हाइजेनिक हैंडलिंग, फिश प्रोसेसिंग, पैकेजिंग और वैल्यूएडिशन जैसे विषयों पर मछुआ समुदाय को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा. मछुआरों को इससे वैश्विक मानकों के अनुरूप मछली पालन तकनीक की जानकारी और व्यावसायिक दक्षता प्राप्त होगी.

विदिशा सहित कई जिलों में मूसलाधार बारिश

मौसम विभाग का पूर्वानुमान, जारी रहेगा बारिश का दौर

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 8 जुलाई. मप्र के रायसेन, विदिशा, रीवा, सतना, सिवनी, मंडला, बालाघाट, पन्ना, दमोह और सागर जिलों में बुधवार को भारी बारिश हो सकती है. मौसम विभाग ने बारिश की संभावना को लेकर पूर्वानुमान लगाया है.

इन जिलों में विभाग ने आरेंज अलर्ट जारी किया है. इस दौरान 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी. इसके साथ ही नर्मदापुरम, अशोकनगर, गुना, शिवपुरी, ग्वालियर, श्योर पुरकलां, दतिया, कटनी, राजगढ़, टीकमगढ़, शाजापुर और

छतरपुर सहित जिलों में भी गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है. प्रदेश में फिलहाल 11 जुलाई तक मूसलाधार बारिश होने की संभावना पूर्व में जताई गई है. मौसम विभाग के अनुसार वर्तमान में मानसून ट्रफ माध्य समुद्र तल से भटिंडा, रोहतक, कानपुर, डाल्टनगंज, गंगीय पश्चिम बंगाल और निकटवर्ती क्षेत्रो में बने निम्न दबाव क्षेत्र के केंद्र से होकर, पूर्व दक्षिण-पूर्व की ओर बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पूर्व तक विस्तृत है एवं माध्य समुद्र तल से 0.9 किमी की ऊंचाई तक फैली हुई है.

दक्षिण गुजरात और निकटवर्ती क्षेत्रो में चक्रवातीय परिसंचरण

माध्य समुद्र तल से 3.1 किमी की ऊंचाई पर सक्रिय है. उत्तर-पूर्व अरब सागर से लेकर पश्चिम बंगाल के गंगा के मैदानी क्षेत्र तक तथा दक्षिणी गुजरात क्षेत्र, उत्तरी मध्य महाराष्ट्र, विदर्भ, दक्षिणी छत्तीसगढ़, दक्षिणी ओडिशा से होकर माध्य समुद्र तल से 4.5 किमी से 7.6 किमी की ऊंचाई के मध्य निम्न दबाव क्षेत्र से जुड़े चक्रवातीय परिसंचरण तक विस्तृत है.

एक नजर में | जैव विविधता बनाम कॉर्पोरेट लाभ

प्लांट ट्रीटी की बैठक में भारत के बीजों पर मंडराता खतरा

पेरू में पौधा आनुवंशिक संसाधन खाद्य और कृषि के लिए अंतर्राष्ट्रीय संधि के तहत बहुपक्षीय प्रणाली को बेहतर बनाने पर केंद्रित एक

निलेश देसाई

महत्वपूर्ण बैठक हो रही है. इस बैठक में सह-अध्यक्षों के प्रस्ताव नामक एक नया पैकेज ऑफ मेजर्स अंतिम रूप लेने वाला है, और चिंता की बात यह है कि इन सह-अध्यक्षों में भारत के डॉ. सुनील अर्चक भी शामिल हैं. यह स्थिति भारत की जैव विविधता और किसानों के अधिकारों के लिए एक गंभीर मोड़ है, जहाँ कॉर्पोरेट हितों का पलड़ा भारी होता दिख रहा है.

बीजों पर कंपनियों का बढ़ता नियंत्रण

यह प्रस्तावित पैकेज ऑफ मेजर्स केवल वैश्विक बीज साझाकरण का मसौदा नहीं, बल्कि बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों को हमारे पौधों के आनुवंशिक संसाधनों (यानी, बीज) और उनसे जुड़ी डिजिटल जानकारी तक आसान पहुँच प्रदान करने का एक छिपा हुआ एजेंडा है.

किसानों के हक़ पर हमला और पेटेंट का खतरा : प्रस्तावित बदलावों से सभी पौधों के आनुवंशिक संसाधन एमएलएस के दायरे में आ जाएंगे, जिसका अर्थ है कि भारत को अपनी अनमोल जैव विविधता को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर साझा करना होगा, अपनी शर्तों पर नहीं. बड़ी कंपनियाँ इन देसी बीजों और आनुवंशिक सामग्री को आसानी से ले सकेंगी, उन पर पेटेंट या अन्य बौद्धिक संपदा अधिकार हासिल कर सकेंगी. इसका सीधा असर हमारे किसानों पर पड़ेगा, जिन्हें भविष्य में अपने ही पारंपरिक बीजों का उपयोग करने के लिए शुल्क देना पड़ सकता है.

किसानों और जैव विविधता प्रेमियों की पुकार

यह हमारे किसानों के पारंपरिक ज्ञान, उनकी मेहनत और उनके अधिकारों पर सीधा हमला है। हमें भारत सरकार से अपील करनी होगी कि वह इस प्रस्तावित पैकेज ऑफ मेजर्स को तुरंत अस्वीकार करें, खासकर अनुबंध 1 के विस्तार के प्रस्ताव को. बीजों की चोरी और कॉर्पोरेट पेटेंट से सुरक्षा के लिएसख्त और प्रभावी प्रावधान लागू करें. किसानों के संगठनों, विशेषज्ञों और राज्य सरकारों के साथतत्काल और व्यापक परामर्श बैठकें आयोजित करे, ताकि भारत की एक संतुलित और सूचित राष्ट्रीय स्थिति तैयार की जा सके. जैव विविधता और कॉर्पोरेट मुनाफे के बीच संतुलन बनाना आज की सबसे बड़ी चुनौती है. हमारे बीजों पर हमारा नियंत्रण, हमारी खाद्य सुरक्षा की गारंटी है.

डिजिटल बायोपायरेसी का नया मोर्चा

सबसे खतरनाक पहलू डिजिटल अनुक्रम जानकारी या आनुवंशिक अनुक्रम डेटा को इस पैकेज में शामिल न करना है. कंपनियाँ बिना भौतिक बीज के ही उनके डिजिटल जेनेटिक डेटा तक पहुँच सकती हैं. यह उन्हें आसानी से नई किस्में विकसित करने और उन पर आईपीआर लेने की अनुमति देगा, जिससे डिजिटल बायोपायरेसी का एक नया और अप्रतिबंधित रास्ता खुल जाएगा. हमारे वैज्ञानिकों और किसानों को बाद में इस जानकारी तक पहुँच से वंचित किया जा सकता है.

भारत की चुप्पी और किसानों की अनदेखी

यह और भी चिंताजनक है कि भारत, जो इस कार्यकारी समूह का सह-अध्यक्ष है, ने अभी तक इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर देश के किसानों, राज्य सरकारों और राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण जैसे संबंधित विभागों के साथ कोई राष्ट्रव्यापी परामर्श नहीं किया है. भारत के डॉ. सुनील अर्चक की सह-अध्यक्षता ऐसे प्रस्तावों को आगे बढ़ा रही है, जिन पर देश के अंदर कोई व्यापक चर्चा नहीं हुई है. भारत को अपनी समृद्ध जैव विविधता और अपने किसानों के हितों की रक्षा करनी होगी. पूरी दुनिया के बीज क्षेत्र का केवल 1% एफएओ के लाभ-साझाकरण कोष में दान करने के बदले में हमारी पूरी आनुवंशिक संपदा को एमएलएस के लिए खोल देना भारत और वैश्विक दक्षिण की खाद्य संप्रभुता और खाद्य सुरक्षा को गंभीर रूप से कमजोर कर सकता है.

Chhattisgarh State Industrial Development Corporation Limited
(A Government of Chhattisgarh Undertaking)
(ISO 9001 : 2015 Certified)
1st Floor, Udyog Bhawan, Ring Road No.1, Telibandha, Raipur (C.G.) – 492006
CIN : U45203CT1981SG001853, PAN : AABCM6288N, GST Regn No. 22AABCM6288N5ZY
Phone : 0771-6621000 Fax : 0771-2583794
Website : www.csidc.in, Email address:csidc.cg@nic.in,csidc_raipur@yahoo.com

NOTICE INVITING TENDER (1st call)
(e-Procurement Portal)

No.:- 08/CSIDC/E.E./Division-IV/2024-25/System No.171723 Raipur, Dated 08/07/2025

Chhattisgarh State Industrial Development Corporation Ltd., Raipur (CSIDC), a Government of Chhattisgarh Undertaking constituted under the Companies Act, engaged in Industrial Infrastructure Development & Other Related Activities in the State invites online tender in **"Form-B" (Item Rate Basis)** for the following works:-

S. No.	N.I.T. No.	Name of Work	Registered Contractor in CGPWD or in appropriate class in other dep't.	Time allowed including rainy season	P.A.C. (INR Lac)	EMD (INR Rs.)	Cost of Tender Doc. (INR) including GST 18%
1	08	B.T. Renewal Work and Construction of Hume Pipe Culvert at Industrial Estate Dhamdha Road Durg (C.G.)	D & Above	04 Months	81.12 Lacs	61,000/-	3540/-

The tender document containing detailed terms & conditions, scope of work and other details can be downloaded from the web portal (website) https://eproc.cgstate.gov.in from ***08/07/2025*** and Time 17:01 and shall be submitted online only. Amendment in tender, if any, will only be uploaded on the website and shall not be published in any newspaper.

NOTE: The interested tenderers for online submission of tender may contact CG eProc Helpdesk. Operated by **Mjunction Services Limited.**, they may reach Helpdesk using 18002582502 (from 9 AM to 11 PM) (therein press 2 for CG e-Proc) or you can email them at Helpdesk.eproc@ cgswan.gov.in.

44472/4

Executive Engineer, Division-II

कार्यालय एवं दुकान हेतु स्थान उपलब्ध, वेबसाईट देखें www.csidc.in

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशुतोष उपाध्याय द्वारा 6/54, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , फिरोज गांधी प्रेस कॉम्प्लेक्स इंदौर से मुद्रित. समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन/फैक्स- 4096718 RNI Reg. No.7390/60